सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग प्रवेश : प्रश्नपत्र - २

रविवार, ५ मार्च, २०१७ | समय : दोपहर २.०० से ४.१५ | कुल गुण : ७५

केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।

☞ अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है ☜

बिना वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।

परीक्षार्थी का जन्म दिन: दिनांक ☐☐ महिना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास ....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर ....

☞ पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।

परीक्षक के हस्ताक्षर ....

परीक्षक की नोंध :-

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (६)	
	३ (५)	
	४ (५)	
	५ (५)	
	६ (८)	
	विभाग-१, कुल गुण (३८)	

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (६)	
	९ (५)	
	१० (५)	
	११ (६)	
	१२ (६)	
	विभाग-२, कुल गुण (३७)	

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ આંકડામાં ☐

શબ્દોમાં ....

ચેકરનું નામ

☞ परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ ☜

१. परीक्षार्थी सत्संग प्रारंभ से प्राज्ञ - ३ तक की क्रमशः हर परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद ही अगली परीक्षा दे सकते हैं ।

२. सत्संग शिक्षण परीक्षा के मुख्य दिन परीक्षार्थी के नामलिखित मुख्य पृष्ठ परीक्षा कार्यालय द्वारा प्रिन्ट करके भेजा जाता है । उसके अनुसार ही परीक्षार्थी को परीक्षा की श्रेणी (प्रारंभ, प्रवेश, परिचय आदि...) एवं माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) में परीक्षा देनी होंगी । **इसमें किसी प्रकार का परिवर्तन करके दी गई परीक्षा मान्य नही होगी ।**

३. परीक्षार्थी को पूर्वकसौटी के प्रश्नपत्र की श्रेणी (प्रारंभ, परिचय, प्राज्ञ-१, केवल प्रथम.....) एवं परीक्षा के माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) अनुसार ही मुख्य परीक्षा देनी होगी । पूर्वकसौटी की जानकारी के अनुसार परीक्षा केन्द्र के मुख्य परीक्षा कार्यकर्ता को अंतिमसूची (Final List) भेजी जाती है, उसके अनुसार ही मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा देनी होगी । **अंतिमसूची से अलग दिये गए विवरणवाली परीक्षा रद्द मानी जाएगी और एसी उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

४. मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा खंड में उपस्थित हर एक परीक्षार्थी अपनी नामलिखित उत्तर पुस्तिका लेकर तथा उसमें मांगा गया अन्य विवरण (जन्म दिनांक, शिक्षा) लिखकर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर अवश्य करवा लें । **वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर बिना लिखी गई उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

५. परीक्षार्थी केवल ब्लू या काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखें । पेन्सिल अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से **लिखी गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

६. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे । अस्पष्ट और पढ़ा न जा सके, ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे । **एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावटवाली उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

७. **परीक्षा खंड के बाहर** अथवा अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

८. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व अनुमति के बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'स्थानापन्न' या 'सबस्टीट्युट राइटर' अथवा 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका रद्द मानी जाएगी ।**

९. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदावाद को पूर्व अवगत किए बिना, रजिस्टर्ड परीक्षा केन्द्र के बदले में अन्य परीक्षा केन्द्र से दी गई परीक्षा रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

१०. सत्संग प्रवेश, परिचय, प्रवीण एवं सत्संग प्राज्ञ (प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्रों में रजिस्टर्ड हुए) के लिए परीक्षार्थियों को दोनों प्रश्नप्रत्रों की परीक्षा देनी अनिवार्य है । **किसी भी एक ही प्रश्नपत्र की दी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

११. **मुख्य परीक्षा के दिन उत्तर पुस्तिका के अलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

१२. **परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान** किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है ।

१३. **प्राज्ञ की परीक्षा का फॉर्म भरने से पहले निम्नलिखित मुद्दे ध्यान में रखें ।**

- परीक्षार्थी एक ही साल में दोनो प्रश्नपत्र दे सकता है । अथवा पहले साल में पहला प्रश्नपत्र और दूसरे साल में दूसरा प्रश्नपत्र दे सकता है । **पहले प्रश्नपत्र में उत्तीर्ण (पास) होने के बाद ही दूसरा प्रश्नपत्र दिया जा सकता हैं ।** प्राज्ञ परीक्षा में केवल प्रथम प्रश्नपत्र या दूसरा प्रश्नपत्र देनेवाले को उत्तीर्ण होने के लिए उस प्रश्नपत्र में ४५ अंक प्राप्त करना आवश्यक है ।
- जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनो प्रश्नपत्र में रजिस्ट्रेशन कराया हो और यदि वह परीक्षार्थी किसी एक प्रश्नपत्र में ही उपस्थित रहता है और दूसरे प्रश्नपत्र में अनुपस्थित रहता है, **तो एक प्रश्नपत्र की दी गई उत्तर पुस्तिका का मूल्याकंन नहीं किया जाएगा ।** जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र दिए हों, उसे उत्तीर्ण होने के लिए ९० अंक प्राप्त करने होंगे ।
- प्राज्ञ परीक्षा देने वाले सभी परीक्षार्थी कृपया ध्यान रखें कि जो परीक्षार्थी अलग-अलग साल में प्रश्नपत्र प्रथम और प्रश्नपत्र दूसरा देते हैं, उनको प्रथम प्रश्नपत्र ४५ या उससे ज्यादा अंक से उत्तीर्ण करने के बाद **दूसरा प्रश्नपत्र ज्यादा से ज्यादा एक ही साल के विराम के बाद देना होगा ।** एक से ज्यादा साल की अनुपस्थिति के बाद दिया हुआ दूसरा प्रश्नपत्र स्वीकृत नहीं होगा । **ऐसे परीक्षार्थी को पुनः प्राज्ञ का प्रथम प्रश्नपत्र अथवा दोनों प्रश्नपत्र देने होंगे ।**
- प्राज्ञ परीक्षा के पारितोषिक विजेता की सूची में आनेवाले परीक्षार्थी में से जिन्होंने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र एक साथ एक ही साल में दिया हो, **उनको १० प्रतिशत (फिसदी) अंक पुरस्कार के रुप में दिए जाएगें** और इस तरह परीक्षार्थी पुरस्कार के योग्य माना जाएगा ।
- **नोंध :** जिस परीक्षार्थी ने **भारत की प्रवीण परीक्षा** उत्तीर्ण की हो, ऐसे ही परीक्षार्थी प्राज्ञ-१ परीक्षा दे सकते हैं ।

१४. **अवैद्य रजिस्ट्रेशन !!! परिणाम नहीं मिलेगा !!!**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १ गुण - ९		नाम

विभाग - १ : किशोर सत्संग प्रवेश

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए। (कुल गुण : ९)

१. ''यह गोपीनाथजी की सेवा में ...''

कौन कहता है ? .... किसको कहता है ? ....

कब कहता है ? ....

....

.... गुण : ३

२. ''मेरी देह अब इसी से टिक जायेगी।''

कौन कहता है ? .... किसको कहता है ? ....

कब कहता है ? ....

....

.... गुण : ३

३. ''सभी आत्माओं की मैं पूजा करना चाहता था।''

कौन कहता है ? .... किसको कहता है ? ....

कब कहता है ? ....

....

.... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. २ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए। (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. कार्तिक शुक्ला १ के दिन बलिपूजा होती है।

....

....

....

....

.... गुण : २

२. पूर्णानन्द स्वामी नौ दो ग्यारह हो गये।

....

....

....

....

.... गुण : २

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - २ गुण - ६		नाम

३. काशीदास के सगेसम्बन्धी भी सत्संगी बन गए थे।

....

....

....

....

.... | गुण : २ | |

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞		☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ३. 'आत्मघात, मांसभक्षण का निषेध' - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए। (वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)**

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ३ गुण - ५		नाम	प्र - ४ गुण - ५		नाम

....

....

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक		केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। (कुल गुण : ५)

१. चारों भाइयों ने किस देव को प्रसन्न करने का सोचा? | गुण : १ | |

....

....

२. किस गाँव के बापू ने सगराम को मिलने के लिये बुलाया? | गुण : १ | |

....

....

३. उदेपुर में मछियाव की लड़की को मिलने कौन गया था? | गुण : १ | |

....

....

४. आत्मानंद स्वामी महाराज के अक्षरधामगमन के बाद कहाँ रहते थे? | गुण : १ | |

....

....

५. लाधीबाई को किस की मूर्ति में महाराज के दर्शन हुए? | गुण : १ | |

....

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक		केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ५ 'एक व्यक्ति ने लाख....' - **'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण लिखिए। (कुल गुण : ५)**

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ५ गुण - ५		नाम	प्र - ६ गुण - ८		नाम

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ६ निम्नलिखित कीर्तन/अष्टक/श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए। (कुल गुण : ८)

१. सहजानन्द महाराज के ....

....

.... चित्त प्रोय॥ | गुण : २ | |

२. बालचरित्रों ....

....

....

.... धरावता हो। | गुण : २ | |

३. अयं निजः ....

....

.... कुटुम्बकम्॥ | गुण : २ | |

४. विश्वेशभक्तिं ...... नमामि॥ - श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

....

....

....

.... | गुण : २ | |

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ७ गुण - ९		नाम

विभाग - २ : शास्त्रीजी महाराज

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए। (कुल गुण : ९)

१. ''शायद वड़ताल के साथ हमारा समाधान हो जाए।''

कौन कहता है ? .... किसको कहता है ? ....

कब कहता है ? ....

....

.... गुण : ३

२. ''तुम्हें साधु बनने के लिए यहाँ कभी नहीं आना है।''

कौन कहता है ? .... किसको कहता है ? ....

कब कहता है ? ....

....

.... गुण : ३

३. ''जाओ, अभी-अभी वड़ताल लौटकर सभा के बीच साधुओं से क्षमा-याचना करो और उनको प्रसन्न करो।''

कौन कहता है ? .... किसको कहता है ? ....

कब कहता है ? ....

....

.... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए। (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. कोठारी ने स्वामीश्री को सारंगपुर मन्दिर की व्यवस्था से मुक्त कर दिया।

....

....

....

....

.... गुण : २

२. योगीजी महाराज ने अड़सठ तीरथ.... वाला भजन गाना बंद किया।

....

....

....

....

.... गुण : २

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ८ गुण - ६		नाम	प्र - ९ गुण - ५		नाम

३. हीराभाई ने पार्षदों को भारी शिक्षा दी।

....

....

....

....

.... गुण : २

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ९ निम्नलिखित किन्हीं एक प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखिए। (वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)

१. देखते ही देखते चौथा शिखरबद्ध मन्दिर २. निर्गुणदास स्वामी का अक्षरवास

( ) ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १० गुण - ५		नाम	प्र - ११ गुण - ६		नाम

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। (कुल गुण : ५)

१. रिश्वत देनेवालो को हीराभाई ने क्या करने के लिए मना कर दिया? गुण : १

....

....

२. जागा भक्त ने उपासना प्रवर्तन के बारे में स्वामीश्री को क्या कहा? गुण : १

....

....

३. गंगाराम मेहता डुंगर भक्त पर क्यों अत्यधिक प्रसन्न रहते थे? गुण : १

....

....

४. स्वामीश्री ने योगीजी महाराज को विशेष नामजप करने को क्यों कहा? गुण : १

....

....

५. विज्ञानानन्द स्वामी के अंत समय पर यज्ञपुरुषदासजी ने क्या कहाँ? गुण : १

....

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.११ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें। (कुल गुण : ६)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं। सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा।

१. शुद्ध उपासना का अर्थ क्या? गुण : २

(१) [ ] अक्षररूप होकर पुरुषोत्तम नारायण की भक्ति करना।

(२) [ ] एकान्तिक धर्म की स्थापना।

(३) [ ] गोपाळानंद स्वामी अक्षरब्रह्म हैं।

(४) [ ] श्रीहरि और गुणातीतानंद स्वामी को मनुष्यरूप समजना।

२. पीज के जेठाभाई गुण : २

(१) [ ] वड़ताल मंदिर की प्रदक्षिणा में बातें करने बैठे।

(२) [ ] आठ घण्टे तक ज्ञान-गोष्ठी करते रहे।

(३) [ ] जेठाभाई को अक्षरपुरुषोत्तम सिद्धांत की प्रतीति हो गई।

(४) [ ] 'स्वामी निगुर्णदासजी' के रूप में प्रसिद्ध हुए।

३. वढवाण मूर्तिप्रतिष्ठा का वरताल में प्रभाव गुण : २

(१) [ ] कल तो वह न जाने क्या कर डालेगा! (२) [ ] स्वामीश्री को विमुख किया।

(३) [ ] जैसी स्वामी की मर्ज़ी। (४) [ ] यह कार्य श्रीजीमहाराज ने ही किया है।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १२ गुण - ६		नाम

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए। (कुल गुण : ६)

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा।

१. **गुणातीत के देहोत्सर्ग स्थान पर मन्दिर :** स्वामीश्री पारायणपर्व पर अहमदाबाद जिले में झुलासण गाँव पधारे। युगान्डा के भक्तराज मगनभाई ने यहाँ आकर धर्मलाभ प्राप्त किया।

उ. ....

....

.... गुण : १

२. **गंगा-सागर का संगम :** स्वामीश्री पुन: गढ़डा पधारे। उन्होंने सन्तों की प्रार्थना सुनकर केवल जीवा खाचर के घर को खरीद लिया और आश्रम-निर्माण की प्रवृत्ति करने लगे।

उ. ....

....

.... गुण : १

३. **अन्तिम लीला :** उन लक्षणों से युक्त गुरु में महाराज सभी प्रकार से निवास करते हैं, ऐसे गुरु स्वामीस्वरूप हैं, स्वामी के तुल्य ही है। अत: सबको चाहिए कि वे स्वामी द्वारा दी गई मर्यादा में रहें और उनकी आज्ञा के अनुसार व्यवहार करें।

उ. ....

....

.... गुण : १

४. **वड़ताल में अक्षरपुरुषोत्तम का जयघोष :** महा अमावस्या का पाटोत्सव निकट आ रहा था। स्वामीश्री अस्वस्थता के कारण वड़ोदरा पहुँचने में असमर्थ थे।

उ. ....

....

.... गुण : १

५. **अभयदान देने की आज्ञा :** सेवक का दु:ख दूर हो गया, हृदय अपार प्रेम से छलकने लगा। अब सेवक प्रागजी भक्त के पास महुवा जा पहुँचे। उन्होंने स्वामीश्री को बहुत सांत्वना दी।

उ. ....

....

.... गुण : १

६. **शेषनाग के माथे पर खूँटा :** अब छोटे आश्रम का निर्माण करने में कुछ अतिरिक्त रेती की आवश्यकता थी। परन्तु, रेती संपादन इसलिए नहीं हो रहा था कि वहाँ घर था।

उ. ....

....

.... गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक [ ] केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें